कामयाब रोजों का इनाम ईद उल फितर

इस्लाम में रमजान की समाप्ति के बाद ईद उल फितर का त्यौहार आता है। ईद से जिंदगी की नई शुरुआत होती है। ईद का दिन नए हौसलों के साथ आगे की तरफ सफर शुरू करना है। ईद का सीधा मतलब है बार-बार आने वाला त्यौहार, फितर का मतलब है रोजे तोड़ना। रमजान के रोजों के बाद खुशी से अल्लाह का शुक्र अदा किया जाए, यही ईद कहलाती है।

अल्लाह के रसूल का फरमान है, हम अपने रब को मना लें। असली मुजाहिद वह है, जो खुदा की फरमाबरदारी करे। अपने नफ्स से लड़े और असली मुहाजिर वह है जो उन कामों को छोड़ दे जिन्हें खुदा ने मना किया है। यह फरमान है पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद का जिन्होंने उसी का पैगाम दिया जिस पर खुद भी अमल किया। दुनिया में बहुत से नेक मुर्सलीन तारीफ लाए सभी ने अखलाकियत का पैगाम दिया। लेकिन देखना यह है कि उन्होंने उस पर खुद कितना अमल किया। इसके बरअक्स मक्का के मुअल्लिमीन अखलाक नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पुकार कर फरमाते हैं,

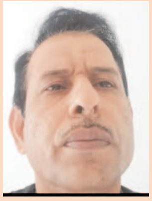

जो करते नहीं कहते क्यों हो। वह नबी खुद अपनी तालीम का नमूना था। इंसानों के मजमे में जो कहता घर के खिलवत खाने में उसी तरह नजर आता था। पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद जब दुनिया में तारीफ लाए तो पूरा अरब जहालत में डूबा था। अरब में सारी सामाजिक बुराइयां आम बात थी। आपने लोगों को हक पर लाने की कोशिश की इस काम में आने वाली हर कठिनाइयों का आपने सब्र के साथ सामना किया। अपने अमल और बुलंद अखलाक से लोगों को हक पर लाने में कामयाबी हासिल की। आपने फरमाया इस्लाम यह है कि तेरा दिल खुदा के सामने झुक जाए और तेरी जुबान और हाथ से किसी को तकलीफ ना पहुंचे।

ईद के दिन मुसलमान तैयार होकर ईदगाह में इकट्ठा होते हैं। यहां सभी मुसलमान दो रकात नमाज वाजिब पढ़ते हैं। इस मौके पर पढ़ी गई नमाज का विशेष महत्व होता है। नमाज के बाद इमाम खुतबा पढ़ते हैं। खुतबा एक धार्मिक संबोधन होता है जिसमें इस्लाम की बुनियादी बातें बताई जाती हैं। ईद पर सेवइयां खाने की परंपरा बहुत पुरानी है। रमजान माह में मुस्लिम घरों में महिलाओं को हाथ से सेवइयां तैयार करते हुए देखा जा सकता है। सेवइयां स्वादिष्ट होती हैं, बच्चे, जवान, बूढ़े, बड़े चाव से खाते हैं। शीर खुरमा ईद के दिन खासतौर पर बनाया जाता है जिसमें खारक, बादाम व अन्य सूखे मेवों को दूध में उबाला जाता है।

ईद के दिन ईद मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। ईद के दिन सभी लोग आपस में गिले-शिकवे भूलकर एक हो जाते हैं और ईद की खुशियां एक-दूसरे के साथ बांटते हैं। आधुनिकता के इस युग में ईद का पुराना महत्व समाप्त हो रहा है। एक-दूसरे से मिलने मिलाने की परंपरा भी धीरे-धीरे लुप्त हो रही है।

खुशी से अल्लाह का शुक्र अदा किया जाए, यही ईद है।

सज्जाद अहमद कुरैशी, इस्लामी मामलों के जानकार
मीरकला बाजार, शाजापुर

हिंदू नव वर्ष 2082 मनाया

मनासा। गायत्री शक्तिपीठ मनासा पर 30 मार्च 2025 रविवार को प्रातः हिंदू नव वर्ष 2082 चैत्रीय नवरात्रि प्रतिपदा का पर्व मां गायत्री की पूजा अर्चना एवं यज्ञ देवता को भावपूर्ण आहुतियां प्रदान कर मनाया गया। नीम पत्ती एवं मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। यज्ञ देवता की पूजा अर्चना कर सभी के लिए मंगल कामनाएं की गई। सभी परिजनों को गायत्री परिवार की ओर से नव वर्ष की मंगल कामनाएं दी गई। प्रातः हवन में लगभग 70-80 परिजनों द्वारा यज्ञ देवता को आहुतियां प्रदान की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान की हुई शुरूआत

महेश्वर। जल संरक्षण और संवर्धन के लिये 30 मार्च से 30 जून तक

जल गंगा संवर्धन अभियान रविवार को जनपद पंचायत महेश्वर की 69 ग्राम पंचायतों से शुरूआत हुई । इस अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकवा में जनपद स्तरिय कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें क्षेत्रीय विधायक राजकुमार मेव, जनपद अध्यक्ष अशोक डावर, मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, मंडल अध्यक्ष डा. देवेन्द्र पाटीदार, मंडल उपाध्यक्ष सीतारामजी ठाकुर, जनपद सदस्य मानसिंह डावर, कैलाश यादव,रवि चौहान मण्डल महामंत्री, सरपंच सुखदेव गावस्कर, कमल चौहान समसपुरा, उप सरपंच हरेसिंह निमाडी, सचिव करणसिंह वास्कले, ग्राम रोजगार सहायक विरेन्द्र चौहान एवं ग्रामवासीयों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। विधायक राजकुमार मेयो एवं सरपंच सुखदेव गावस्कर द्वारा गेती मारकर तलाई के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

आईपीएस पंवार ध्दारा लिखित पुस्तक अपराध अनुसंधान का विमोचन डीजीपी ने किया

सैलाना। सेवानिवृत आईपीएस लेखक,चिंतक आर सी पंवार द्वारा लिखित पुस्तक अपराध अनुसंधान का समारोहपूर्वक विमोचन प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने किया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व पुलिस महानिदेशक पी डी मालवीय एवम पुलिस पेंशनर्स अध्यक्ष पूर्व महानिदेशक जी पी दुबे ने की।

ये पुस्तक पुलिस महकमे के अधिकारियों को अपराधों के अनुसंधान में काफी सहायक साबित होगी।नब्बे के दशक के मध्य में सैलाना में एसडीओ पी रहे पंवार पुलिस अधीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृति के बाद से ही वे लेखन में सक्रिय हो गए। फिलहाल इन्दौर में निवासरत पंवार का नाता अब तक सैलाना, रतलाम से बना हुआ हैं। वे अक्सर विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में व्याख्यान देने भी आमंत्रित किए जाते हैं। अनेक पुस्तकें लिख चुके पंवार पुलिस महकमे के ट्रेनिंग सेंटर पर प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशिक्षण देने भी जाते हैं।उनकी एक पुस्तक आत्महत्या क्यों काफी चर्चित रही। वे अपने समय में काफी दबंग अधिकारी के रूप में जाने जाते थे।

सैलाना प्रेस क्लब संरक्षक वीरेन्द्र त्रिवेदी बताते हैं कि पंवार काफी ईमानदार और सख्त छवि के अधिकारी थे। अपराधियों में उनका खौफ होता था।बहरहाल उनकी नई पुस्तक के विमोचन अवसर पर प्रदेश के डीजीपी मकवाना और पूर्व डीजीपी मालवीय और दुबे ने उनकी लेखन क्षमता को बेमिसाल बताया और कहा की पंवार की लिखित पुस्तकों से अपराध नियंत्रण और अनुसंधान में पुलिस महकमे को मदद मिलेगी। पंवार ने सभी अधिकारियों का आभार मानते हुए अपने लेखन को जीवनपर्यंत जारी रखने की की बात कही।

बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से 11 वे वर्ष भी जारी रहा वितरण

गुड़ी पड़वा पर निम का शरबत वितरण किया

सैलाना। पहला सुख निरोगी काया,आयुर्वेदिक मत को लेकर चेत्र नवरात्रि के दौरान नीम शरबत के सेवन करने पर सेहत के लिए वर्षभर के लिए रामबाण माना गया है।

जिसका उपयोग मनुष्य पीढ़ी दर पीढ़ी से करता आ रहा है। इस मत मे सर्वे भवन्तु सुखिनः, ध्येय को लेकर नगर के पत्रकार विमल कटारिया मित्रमंडल द्वारा चेत्र नवरात्रि के दौरान नगर वासियो के लिए 11वर्षो से लगातार नगर की जनता को नीम का शरबत सेवन करवाया जा रहा है।आयोजक पत्रकार विमल कटारिया ने बताया कि गत 11 वर्षो से नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना को लेकर मित्रमंडल के सहयोग से नागरिकों को यह शरबत पिलाया जा रहा है।

स्थानीय बस स्टैंड स्थित पं दिनदयाल मार्केट के बाहर मुख्य मार्ग पर30 मार्च गुड़ी पड़वा से आम जनता के लिए नीम शरबत की स्टॉल का शुभारम्भ हुआ। तथा आज सुबह छ से आठ बजे तक करीब एक हजार नागरिकों ने इसका सेवन किया।

उक्त सेवा संपूर्ण नवरात्री यानी नवमी तक सुबह 6 बजे से 8 दो घंटे तक नागरिकों के लिए उपलब्ध रहेगी।इस नीम सेवन में पॉलीथिन प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष से पार्सल सेवा बंद कर दी गई है जिस किसी सज्जन को आवश्यकता रहती है वह स्वयं घर से व्यवस्था कर ले जाता है।

आयोजन के सहयोगी सत्येंद्र मुरेरा,सिद्धपाल सिंहसिसोदिया, दिलीप राठौड़, शैलेश चंडालिया, मनीष सोनी, अमित शर्मा, नितेश सिसोदिया, लोकेश पांचाल,विकास कटारिया, निर्मल पांचाल, सुरेश मालवीय, संदीप मोदी,सहित अन्य साथी अपने अपने स्तर पर सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाने में मदद करते हैं,पत्रकार कटारिया नागरिकों से अपील की कि वह समय का विशेष ध्यान रखते हुए इस नवरात्रि में अधिक से अधिक संख्या में नीम शरबत का सेवन करे तथा अपने परिवार को भी सेवन करवाएं

नगर परिषद् द्वारा प्रारम्भ किया जल गंगा संर्वधन अभियान

सैलाना (नि.प्र.) शासन निर्देशानुसार प्रदेश के नगरीय निकायों के जल-स्त्रोतों, नदी, तालाबों, कुआँ, बावड़ी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिये 30 मार्च रविवार से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारम्भ नगर के गौधुलिया तालाब पर सफाई के साथ हूआ। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनोज शर्मा द्वारा बताया गया की जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निरन्तर नगर के प्रमुख जल-स्त्रोतों, नदी, तालाबों, कुआँ, बावड़ी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिये भू-जल संरचनाओ की साफ-सफाई, जीर्णोदार, पौधारोपण जैसे कार्य किये जावेगे। जिसमे जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाए एवं आमजन का भी सहयोग लिया जावेगा। इस अवसर पर तहसीलदार कैलाश कन्नौज, आर.आई. केसरसिंह गोयल, कस्बा पटवारी बहादुरसिह डोडियार, निकाय कर्मचारी सुरेन्द्रसिह चौहान, धीरजसिंह रावत, अभिमन्यु ग्वाले, विजय शर्मा, कैलाशदास बैरागी, जमादार महेश तवंर, दिपक गौयर आदि उपस्थित थे।

प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण आयोजित

पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम का समापन

रतलाम। राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में दिनांक 29.03.25 को जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा के निर्देशानुसार एवं सहायक संचालक व प्रभारी परियोजना अधिकारी रविन्द्र मिश्रा के मार्गदर्शन में पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण तृतीय दिवस कन्या शिक्षा परिसर सैलाना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ के लिए आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के समापन दिवस पर सैलाना जनपद अध्यक्ष श्रीमती कैलाशी बाई चारेल एवं महिला बाल विकास स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष सुभाष भाबर उपस्थित रहे।प्रशिक्षण में सहायक संचालक रविन्द्र मिश्रा द्वारा तृतीय दिवस प्रशिक्षण की रूपरेखा बताई गई। स्टेट लेवल मास्टर ट्रैनर श्रीमती दीपा चौधरी और श्रीमती ज्योति गोस्वामी द्वारा पोषण , 1000 सुनहरे दिन, दिव्यांकता के प्रकार, बाल मूल्यांकन, नवचेतना पर विस्तारपूर्वक पीपीटी के माध्यम से समझाया गया।

पर्यवेक्षक श्रीमती मीना मईडा द्वारा कुपोषण अति गंभीर कुपोषण पोषण के बारे में बताया गया। पर्यवेक्षक श्रीमती मीना मालवीय द्वारासंबंधित प्रश्न प्रतिभागियों से पूछे गए व सही शारीरिक माप के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण की अन्य जानकारी सुश्री फिरदौस खान द्वारा बाल मूल्यांकन और सीखने के परिणाम के बारे में बताया। ब्लॉक समन्वयक समरथ भाटिया द्वारा तृतीय दिवस प्रशिक्षण उपरांत सर्टिफिकेट डिजिटल जनरेट किया गया। दिवस रजिस्ट्रेशन करवाया गया। दिव्यंका के प्रकारों को समझने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा रोल प्ले किया गया, बाल गीत, व समूह गतिविधि के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सिखाया गया। तृतीय समापन दिवस पर संबंधित उपयोगी वीडियो भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को प्रदर्शित किए गए। पोषण के महत्व व बच्चे के लिए स्तनपान के लाभ यह भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को बताया गया। प्रशिक्षण में ,सहायक वर्ग01 चंद्रेश ठक्कर लिपिक पंकज मईडा एवं ऑपरेटर धनपाल पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में विशेष सहयोग कन्या शिक्षा परिसर की प्रधानाचार्य पाटीदार का रहा।

नव वर्ष पर आम जनता के ललाट पर तिलक लगाकर स्वागत किया

सैलाना नगर में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य ओर दीदी ने नववर्ष प्रारम्भ होने के अवसर पर स्थानीय दीनदयाल परिसर के सामने मंच लगाकर आने जाने वाले नगर। वासियो का कुमकुम के व केशर का तिलक लगाकर नीम के शरबत का सेवन करवाया गया इस अवसर ओर शिशु मंदिर प्रबन्धन समिति के समस्त सदस्य भी मौजूद थे।

शहर में जेबीएस कार्यालय का हुआ शुभारंभ

बड़वाह – नगर के जैन बस परिवार द्वारा स्थानीय बस स्टैंड पर नवीन कार्यालय का रविवार सुबह 11 बजे शुभारंभ किया । जहा सुंदरधाम आश्रम के महामंडलेश्वर श्री बालकदास जी महाराज द्वारा विधि विधान से पूजन कर फीता काटा गया ।इस दौरान क्षेत्रीय विधायक सचिन बिरला,नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता,पूर्व नपा अध्यक्ष बाबूलाल जैन,पूर्व नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल रॉय सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे ।

इस दौरान समाजसेवी बाबूलाल जैन द्वारा श्री बालकदास जी महाराज,विधायक बिरला और नपाध्यक्ष गुप्ता का शाल श्री फल देकर स्वागत सम्मान किया गया ।इस दौरान आशीष जैन ने बताया कि हमारे द्वारा चार धाम यात्रा, बॉम्बे, पूना,अयोध्या जैसे दूर दराज स्थानों के लिए सर्वसुविधा युक्त बसे संचालित की जा रही है ।अब किसी भी धार्मिक यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़वाह से ही स्लीपर कोच बसों की एक अच्छी सुविधा मिल सकेगी।वही विवाह समाहरों के लिए भी हमारे द्वारा लग्जरी बसों का संचालन किया जाता है ।इस शुभारंभ के अवसर पर कैलाश चंद जैन,सुनील जैन,दीपक जैन,मनीष जैन,रोहन जैन,सुनील चौधरी,अश्विन गुप्ता,हेमंत वर्मा,अंतिम जिंदल,बबलू पटेल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

2 लाख रुपए नगद और चांदी के जेवरात चोरी,घटना हुई सीसीटीवी कैमरे में कैद

ग्राम बालागंज में चोरों ने एक घर को बनाया निशाना

मनासा। थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम बालागंज में शुक्रवार ओर शनिवार की रात मे गांव में घुस एक घर को निशान बनाते हुए ताला तोड़ दो लाख नगद और चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए।

मिली जानकारी अनुसार बालागंज निवासी दाखी बाई शुक्रवार को मेहनत मजदूरी कर ठेकेदारी से 02 लाख रुपए लेकर आई थी और अपने घर की अलमारी में रखे थे । वही बीती शुक्रवार और शनिवार की रात 1=30 बजे करीब चार नकाबपोश चोरों ने मौका देख घर का ताला तोड़ घर में रखे ?200000 नगद और चांदी के जेवरात चोरी कर लें गए। घटना के समय दाखी बाई और इसका बेटा अनिल छत पर सो रहे थे । घटना का पूरा वीडियो पंचायत द्वारा गांव में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही सुबह मनासा थाना पुलिस मौके पर पहुंची ।वही दोपहर 12 बजे करीब थाना प्रभारी शिवकुमार रघुवंशी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआवना करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गए।

गले मिलकर और सेवईया खिलाकर एक दूसरे को दी मुबारकबाद

सैलाना (निप्र) बोहरा समुदाय द्वारा रमज़ान माह में तीस दिनों तक खुदा की इबादत और रोजे रखने के बाद रविवार को ईद उल फितर हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक तरीके से मनाई गई7

रविवार अल सुबह नगर की बोहरा समाज की मस्जिद में आमिल साहब जनाब हुसैन बिन अल अकमर भाई द्वारा ईद की विशेष नमाज़ अदा करवाई गई। नमाज में सभी समाजजनों द्वारा अमन चैन, भाईचारे और तरक्की की दुआए मांगी गई जिसके पश्चात मस्जिद में शिरखुरमा (सेवइया) वितरित किया गया नमाज़ के बाद समाजजनों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी बच्चों और युवाओं में ईद को लेकर विशेष उत्साह देखा गया7 उल्लेखनीय हैं कि बच्चे और युवाओ ने लैलतुल कद्र के बाद से ही ईद के परिधानों की खरीदी शुरू कर दी थी इस बार भी समाजजनों ने पारंपरिक तरीके से एक दूसरे के घर जाकर ईद की मुबारकबाद पेश की और शिरखुरमे का लुत्फ उठाया छोटे छोटे बच्चे भी बड़ो से ईद का तोहफा ईदी पाकर इठलाते हुए नज़र आए।